राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–245/2023

बिहार के मदरसे को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर देश एवं दुनिया के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें –राज्यपाल

पटना, 11 सितम्बर, 2023 :– ''मदरसा सिस्टम पारंपरिक शिक्षा पद्धति है। बिहार के मदरसों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर देश एवं दुनिया के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। वहाँ आई०टी०, कम्प्यूटर आदि की भी पढ़ाई होनी चाहिए।'' –यह बातें महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना में आयोजित मदरसा सिस्टम पर दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बिहार के मदरसों को देश के सामने उदाहरण बनना चाहिए तथा वहाँ दी जानेवाली अच्छी शिक्षा एवं समाज व देश के हित में की जानेवाली गतिविधियों से सबको अवगत कराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पटना का खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी बिहार की शान और देश की संपत्ति है। यहाँ की किताबें हमारी संस्कृति को प्रतिबिम्बित करती हैं। इस पुस्तकालय ने विश्व को भारत की विशेषताओं से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश अनेक वर्षों से पूरी दुनिया का मार्गदर्शन करता रहा है। यहाँ के लोग दूसरे देशों में अपने विचारों और विशेषताओं को लेकर गए हैं। उनके आचरण एवं संस्कार से ही पता चलता है कि वे भारतीय हैं। आपसी प्रेम और भाईचारा हमारी संस्कृति है। आज की शिक्षा पद्धति में इस विचारधारा को शामिल करने की जरूरत है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर डॉ० शायेस्ता खान द्वारा संकलित पुस्तक 'Mother Assassinated' के भाग–I एवं भाग–II का विमोचन किया। उन्होंने खुदाबख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी, पटना में परिश्रम और लगन से काम करने वाले कर्मियों एवं दाराशिकोह पुरस्कार के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, खुदाबख्श ओरिएन्टल पब्लिक लाइब्रेरी की निदेशक डॉ० शायेस्ता बेदार एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....